सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 213 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 9 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

कभी भी घमंड या अहंकार में अपना सर ऊंचा ना उठाएं। याद रखिये स्वर्ण पदक विजेता भी तभी पदक पाता है जब वो अपना सर झुकाता है।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

सबालेंका फाइनल में, अमेरिकी ओपन में... 7 | उपचुनाव में दिखा इंडिया का... 3 | ये जीत भाजपा की उल्टी गिनती... 2

यूपी में लग सकता है मोदी को झटका

घोसी चुनाव नतीजों ने छुड़ाये पसीने

- 80 लोस सभा सीटों पर बिगड़ेगा खेला
- मोदी के तीसरी बार पीएम बनने के सपने पर लग सकता है ब्रेक
- ठाकुर और दलित मतदाताओं के सपा में जाने से भाजपा में हड़कंप
- पीडीए के साथ जुड़े ठाकुर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी उपचुनाव के नतीजे क्या भाजपा के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। ऐसी चर्चा सियासत की गलियारों से लेकर आम लोगों के बीच हो रही है। दरअसल, घोसी विधान सभा सीट पर सपा के प्रत्याशी सुधाकर सिंह ने भाजपा के दारा सिंह चौहान को 40 हजार से ज्यादा मतों से हरा दिया। जो आंकड़े आ आए हैं उससे तो ऐसा लग रहा है कि सपा के प्रत्याशी को सारी जातियों के वोट मिले हैं। सपा ने घोसी में ठाकुर को टिकट दिया था। सुधाकर सिंह को ठाकुरों समेत ऊंची जातियों का भी जमकर वोट मिला है। साथ ही उन्हें सपा के परंपरागत वोट पिछड़ा, मुस्लिम व यादव के वोट भी खूब मिलें है।

सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह रही इस बार दलित वोट भी ढेरों की तादाद में सपा की झोली में आए हैं। घोसी सीट के उपचुनाव के नतीजे ने विपक्षी गठबंधन इंडिया को बड़ी ताकत दी है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को आत्ममंथन के लिए विवश किया है। अगर यही ट्रेंड लोकसभा चुनाव 2024 में कायम रहा तो मोदी के लिए आगामी चुनाव में यूपी से झटका लग सकता है साथ ही उनका तीसरी बार पीएम बनने का सपना भी सपना ही रह सकता है। भले ही नतीजा सिर्फ एक सीट का हो, लेकिन इसकी चर्चा लोकसभा चुनाव तक रहेगी। जून में इंडिया गठबंधन की घोषणा के बाद यूपी में यह पहला चुनाव था। खास बात यह है कि लोकसभा चुनाव से पहले यह आखिरी उपचुनाव भी था। अब देश और प्रदेश सीधे लोकसभा चुनाव में ही जाएगा। जून 2022 में आजमगढ़ और रामपुर में हुए लोकसभा उप चुनाव में भाजपा ने सपा को करारी शिकस्त दी थी। ये दोनों ही क्षेत्र समाजवादियों के किले माने जाते थे। उसके बाद दिसंबर 2022 में विधानसभा उप चुनाव में रामपुर विधानसभा सीट भी सपा के हाथ से चली गई। यह सीट सपा नेता आजम खां को हेट स्पीच मामले में सजा होने से खाली हुई थी। उपचुनाव में यह सीट भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना को मिली। पहली बार यहां से कोई गैर मुस्लिम प्रत्याशी जीता।

पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के प्रयोग, इंडिया के समर्थन और अखिलेश यादव के परिवार की एकजुटता ने घोसी में सपा की जीत की राह आसान कर दी। आजमगढ़ और रामपुर का गढ़ ढहने के बाद घोसी की इस जीत ने जहां समाजवादियों का मनोबल बढ़ाया है, वहीं इंडिया के घटक दलों को मजबूती के साथ ऐसे ही आगे बढ़ने का संदेश भी दिया है। बसपा की चुनाव से दूरी, भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह के दलबदल से नाराजगी और पीडीए के नारे के बीच सपा का क्षत्रिय प्रत्याशी उतारना भी उसके लिए मुफीद साबित हुआ।

यूपी से निकलेगा देश का भविष्य : अखिलेश

घोसी उपचुनाव से भविष्य की राजनीति का अंदाजा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक्स (पूर्व नाम ट्विटर) पर दिए बयान से लगाया जा सकता है। अखिलेश ने कहा कि घोसी ने सिर्फ सपा का नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जिताया है। अब यही आने वाले कल का भी परिणाम होगा। यूपी एक बार फिर देश में सत्ता के परिवर्तन का अगुआ बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने इंडिया को जिताने की शुरुआत कर दी है और यह देश के भविष्य की जीत है। अखिलेश के बयान से साफ है कि लोकसभा चुनाव में इंडिया फिर एनडीए को हराने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगा।

भाजपा के वोट बैंक में सेंध

घोसी के नतीजे बताते हैं कि सपा ने भाजपा के परंपरागत ठाकुर, भूमिहार, वैश्य के साथ राजभर, निषाद और कुर्मी मतदाताओं में अच्छी खासी सेंध लगाई है। वहीं सपा का परंपरागत यादव और मुस्लिम वोटबैंक तो उसके साथ मजबूती से खड़ा रहा। स्वार उपचुनाव में मिली हार के बाद माना जा रहा था कि मुस्लिम वोट सपा से खिसक रहा है, लेकिन घोसी में मिली जीत ने सपा के साथ मजबूती से होने की बात फिर साबित की है।

खतौली में हारी थी भाजपा

रामपुर के साथ ही खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में सपा-रालोद गठबंधन के प्रत्याशी मदन भैया की जीत ने सपा को मरहम लगाने का काम भी किया, क्योंकि पहले यह सीट भाजपा के पास थी। सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम की सदस्यता रद्द होने से रामपुर की स्वार सीट पर इसी साल मई में उपचुनाव हुए। इसमें सपा ने हिंदू कार्ड खेलते हुए अनुराधा चौहान को अपना प्रत्याशी बनाया, लेकिन भाजपा गठबंधन के तहत अपना दल (एस) के मुस्लिम प्रत्याशी शफीक अहमद अंसारी जीते। यानी, सपा का यह किला भी ढह गया।

पूर्वांचल के लिए भाजपा को सोचना पड़ेगा

राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि घोसी उपचुनाव के नतीजे पूरे लोकसभा चुनाव की नतीजों पर असर डालेंगे यह कहना उचित नहीं हैं। लेकिन यूपी में इसका असर होगा। खासतौर पर पूर्वांचल की सीटों पर भाजपा को सोचना पड़ेगा। भाजपा के लिए यह संदेश भी है कि वह इतना ताकतवर न माने कि राजनीति में वैसा ही होगा, जैसा वह चाहेगी। भाजपा को इसबार दलित वोट उम्मीद के हिसाब से न मिले। बड़ी तादाद में क्षत्रिय सजातीय उम्मीदवार के साथ चले गए। एनडीए के सहयोगी दलों का सजातीय वोट बैंक में पकड़ साबित न कर पाना व रामपुर और आजमगढ़ उपचुनाव जैसा माहौल का न बन पाना भी भाजपा केलिए नुकसान देह साबित हुआ।

काम नहीं आई निषाद व राजभर की रणनीति

घोसी में करीब 55 हजार राजभर, 19 हजार निषाद और 14 हजार कुर्मी मतदाता हैं। भाजपा ने सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद की सभाएं, रैलियां और बैठकें कराईं। लेकिन चुनाव आंकड़े बता रहे हैं कि कुर्मी, राजभर और निषाद मतदाताओं ने स्थानीय उम्मीदवार को महत्व देते हुए मतदान किया है। यही नहीं करीब 8 हजार ब्राह्मण और तकरीबन 15 हजार क्षत्रिय भी सपा की ओर चले गए।

कारगर रणनीति ने दिलाई कामयाबी

आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में प्रचार के लिए अखिलेश नहीं गए थे, लेकिन घोसी उप चुनाव में न सिर्फ उन्होंने सभा की, बल्कि परिवार के लोग भी क्षेत्र में डटे रहे। पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव कई दिनों तक वहां डेरा डाले रहे, वहीं महासचिव शिवपाल सिंह यादव भी मतदान के दिन तक आसपास ही जमे रहे। पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के अलावा पूर्व मंत्री रामगोविंद चौधरी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप, पूर्व एमएलसी उदयवीर और महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह समेत सभी प्रमुख नेताओं ने घर-घर संपर्क किया। सपा की रणनीति रही कि आसपास के जिलों के नेताओं को उनके सजातीय मतदाताओं के बीच उतारा जाए, जिसने भी सफलता दिलाने में काफी मदद की। सपा ने विशेष रणनीति के तहत मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया। मतदाता सूची पर भी शुरू से ही नजर रखी।

ये जीत भाजपा की उल्टी गिनती की शुरुआत : अखिलेश

» बोले- सपा की जीत लोकतंत्र की विजय है

» पंचायत चुनाव में जीत से भी पता चल रहा हवा का रुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी जीत के बाद पूरे जोश के साथ सपा प्रमुख ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ये जीत भाजपा की उल्टा गिनती की शुरुआत है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी उप चुनाव में सपा की जीत को लोकतंत्र की विजय बताया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इंडिया को जिताने की शुरुआत कर दी है। यह भाजपा की उल्टी गिनती की शुरुआत है। अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी ने सपा के नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जिताया है और यही आने वाले कल का भी परिणाम होगा।

सकारात्मक राजनीति की जीत और सांप्रदायिक नकारात्मक राजनीति की हार है। भाजपा की तोड़फोड़ और समाज को बांटने वाली राजनीति का भी यह मुंहतोड़ जवाब है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता के दुरुपयोग की भरसक कोशिश की, पर जनता ने करारा जवाब देकर सबक सिखाया है। यह पीडीए की धारा को इंडिया गठबंधन के साथ जोड़कर सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना की मांग करने वालों की भी जीत है। यह सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही सामाजिक घृणा, भ्रामक सूचनाओं और राजनीतिक मिथ्या की पराजय है। साथ ही भ्रष्टाचार, महंगाई व बेरोजगारी जैसे मुद्दों की भी जीत बताई। अखिलेश ने कहा कि भारत ने इंडिया गठबंधन को जिताने की शुरूआत कर दी है। उत्तर प्रदेश एक बार फिर से देश में सत्ता के परिवर्तन का अगुआ बनेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि घोसी में जीते तो एक विधायक हैं, पर हारे कई दलों के भावी मंत्री है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जनादेश के साथ छल किया था। झूठे प्रचार और जुमालाजीवियों को अब कोई नहीं पूछेगा। अखिलेश ने कहा कि यह बुलडोजर और बुल (बैल) से त्रस्त जनता का शासन-प्रशासन को करारा जवाब है। उन्होंने ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद का नाम लिए बिना कहा कि ये उन स्थानीय नेताओं की इस गलतफहमी की भी हार है कि एक समुदाय के लोग हमारी जेब में हैं। उन्होंने दारा सिंह का नाम लिए बिना कहा कि गिरगिटी प्रत्याशियों को भी एक संदेश है कि जनता उनके असली रंग पहचान गई है। लखनऊ, बरेली, जालौन और मिर्जापुर में भी जिला पंचायत के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत मिली है। इससे पता चलता है कि हवा का रुख किधर है। यह अच्छी सोच वाले सर्वसमाज और पीडीए के साथ आने की जीत है।

अपने परंपरागत वोट को भी नहीं संभाल पाए दारा सिंह

लखनऊ। इस बार भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान अपनी बिरादरी के वोट भी नहीं सहेज पाए। पिछले चुनाव में जब दारा सपा से चुनाव में उतरे थे तो उन्हें 42.21 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार उन्हें मात्र 37.54 प्रतिशत ही वोट मिले। यानी दारा सिंह अपनी नोनिया चौहान जाति का भी भरपूर वोट नहीं ले पाए। घोसी विधानसभा क्षेत्र में करीब 55 हजार नोनिया चौहान मतदाता हैं। लेकिन दारा को इसका फायदा नहीं मिला। अहम बात यह भी है कि पिछले चुनाव में भी भाजपा हारी थी और उसके प्रत्याशी विजय राजभर को 33.57 प्रतिशत वोट मिले थे। इस बार भाजपा का मात्र चार फीसदी वोटर ही बढ़ पाया। उधर सपा को पिछले चुनाव में 42.21 प्रतिशत मिला था और इस बार पार्टी उम्मीदवार सुधाकर को 57.19 फीसदी मत मिले। सपा को इस बार 15 प्रतिशत वोट ज्यादा मिले।

जनादेश एनडीए के खिलाफ नहीं : राजभर

चुनाव प्रबंधन में कहां कमी रही गई इसकी समीक्षा करेंगे। इस चुनाव परिणाम का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि जनादेश एनडीए के खिलाफ है। यह तो स्थानीय कुछ कारणों की वजह से इस तरह का परिणाम आया। देखने वाली बात यह भी है कि अब विपक्ष और सपा न तो ईवीएम को दोष दे रहे हैं और न ही प्रशासन को बेईमान बता रहे हैं। यदि परिणाम इनके खिलाफ आता तो इन दोनों पर ठीकरा फोड़ने लगते।

पहली ही परीक्षा में फेल हुए राजभर

भाजपा से गठबंधन के बाद ओमप्रकाश राजभर की यह पहली परीक्षा थी, पर वे इसमें फेल हो गए। माना जा रहा था कि उपचुनाव में राजभर जाति के लोगों का भाजपा को भरपूर साथ मिलेगा। इसके बड़े दावे भी किए जा रहे थे। क्योंकि सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर भाजपा के पाले में आ गए और यहां राजभर मतदाताओं की संख्या भी लगभग 50 हजार है। इस लिहाज से समीकरण तो बेहतर थे, लेकिन राजभर मतदाताओं का साथ दारा सिंह को नहीं मिला। यदि मिलता तो हार-जीत का अंतर इतना ज्यादा न होता।

लखनऊ में सपा ने भाजपा को किया पस्त

लखनऊ जिले में मोहनलालगंज में जिला पंचायत की वार्ड नंबर 18 पर हुए उपचुनाव मे सपा समर्थित प्रत्याशी रेशमा रावत ने जीत दर्ज की है। रेशमा ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी संगीता रावत को 2236 वोटों से हराया। चुनाव मे रेशमा को 7097 ,संगीता को 4681, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार रेनू रावत को 2458 वोट मिले। माल में मतगणना पूर्ण पूर्व में प्रधान रह चुकी गीता सिंह ने अपने निकटम प्रतिद्वंदी वर्तमान में मृतक प्रधान के बेटे अमिताभ को 157 वोट से शिकस्त दी। जब कि अभय कुमार सिंह को तीसरा व कल्लू नेता को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। वार्ड संख्या 6 से सदस्य पद पर मकरंद मौर्या विजयी रहे। जिला पंचायत सदस्य के उपचुनाव में मोहनलालगंज के वार्ड नंबर 18 से सपा समर्थित प्रत्याशी रेशमा रावत ने जीत दर्ज की। रेशमा ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी संगीता रावत को 2236 वोटों से हराया। मतगणना में रेशमा को कुल 7097 वोट मिले। वहीं, संगीता को 4681 और निर्दलीय प्रत्याशी रेनू रावत को 2458 वोट मिले। इस उपचुनाव में कुल 14732 लोगों ने अपने मत का इस्मेताल किया था। वहीं, आंटगढी सौरा में पंचायत उप चुनाव पूर्व में प्रधान रहीं गीता सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अमिताभ को 157 मतों से शिकस्त दी।

धर्म और राजनीति अलग-अलग चीजें : खरगे

» स्टालिन के बयान से किया किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की कथित 'सनातन धर्म' विरोधी टिप्पणी को लेकर देशभर में बवाल मचा है। स्टालिन की टिप्पणी से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किनारा किया है। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में भरोसे के सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राजनीति और धर्म अलग-अलग चीजें हैं और इन्हें मिलाने की कोई जरूरत नहीं है।

खरगे राजनांदगांव जिले के ठेकवा गांव में आयोजित सम्मेलन में केन्द्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। स्टालिन की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने कहा, ''मैं यहां किसी के धर्म के बारे में कहने के लिए नहीं आया हूं। मैं गरीबों के लिए बने कार्यक्रम में हिस्सा लेने आया हूं। धर्म और राजनीति अलग-अलग चीजें हैं और इन्हें मिलाने की कोई जरूरत नहीं है। मैं इस पर बहस नहीं करना चाहता। खरगे के दौरे से पहले स्टालिन की टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने सवाल किया था। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा था कि खरगे को अपनी छत्तीसगढ़ यात्रा के दौरान बताना चाहिए कि क्या कांग्रेस पार्टी 'सनातन धर्म' पर उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी का समर्थन करती है या नहीं।

भाजपा ने अधिकारों से किया वंचित : उमर अब्दुल्ला

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख द्वारा लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) में चुनाव के लिए जारी अधिसूचना को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को चुनाव चिह्न हल आवंटित कर दिया है। नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, हमें वह फैसला मिला है, जिसके हम हकदार थे। आगे उन्होंने लद्दाख यूटी प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने पक्षपाती लद्दाख प्रशासन की सहायता से हमें हमारे अधिकारों से वंचित करने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हुए। अदालत ने लद्दाख प्रशासन को एक लाख रुपये के जुर्माने से भी किया है। लद्दाख के कारगिल में 10 सितंबर को चुनाव होंगे। कोर्ट ने अपने आदेश में चुनाव अधिकारियों से हल चुनाव चिह्न जेकेएनसी को आवंटित करने को कहा। विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सहित न्यायाधीशों की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने एक नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया।

स्थानीय निकायों की एक तिहाई सीटें महिलाओं के खाते में

वार्डों का आरक्षण ड्राफ्ट जारी

जम्मू-कश्मीर में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए दो नगर निगमों समेत 77 निकायों के लिए वार्डों का प्रस्तावित आरक्षण ड्राफ्ट जारी कर दिया गया है। कुल 1119 वार्डों के लिए चुनाव होगा। इस ड्राफ्ट में महिलाओं के लिए 359, अनुसूचित जाति के लिए 86 तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 14 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित वार्डों में से ही संबंधित संवर्ग की महिलाओं के लिए वार्ड आरक्षित किए गए हैं। सभी नगर निकायों में एक तिहाई वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। कई दिग्गजों के वार्ड आरक्षित कर दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग के पोले की ओर से रोटेशन के आधार पर आरक्षण का रोस्टर जारी करते हुए नौ सितंबर तक आपत्ति मांगी गई हैं। आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद अंतिम आरक्षण की सूची जारी की जाएगी। माना जा रहा है कि आरक्षण को अंतिम रूप देने के बाद तीसरे या चौथे सप्ताह में चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।जारी रोस्टर के अनुसार, अनुसूचित जाति महिलाओं के लिए 31 व अनुसूचित जनजाति महिलाओं के लिए पांच वार्ड आरक्षित किए गए हैं।

इंडिया भी हमारा है और भारत भी : राजा वड़िंग

» पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बोले- विपक्षी गठबंधन से डर गई भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि भाजपा इंडिया गठबंधन से डर गई है, इसलिए नाम बदल रही है। उन्होंने कहा कि इंडिया भी हमारा है और भारत भी। राहुल गांधी पहले ही भारत जोड़ो यात्रा शुरू कर चुके हैं और भारत को एकजुट करने की बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री न जाने क्यों इंडिया गठबंधन के बाद उनसे नफरत करने लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी सीधे तौर पर बात नहीं कर रही बल्कि भारतीय क्रिकेटरों और अभिनेताओं समेत अन्य लोगों का इस्तेमाल कर रही है।

आज से पहले उन्होंने यह क्यों नहीं कहा कि इंडिया टीम का नाम भारत रखा जाए। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता चल गया है कि अब देश की जनता उनकी बातें नहीं मानेगी। इस अवसर पर युवा कांग्रेस नेता मिलटी कंबोज, बलदेव सिंह गदोमाजरा, नगर काउंसिल प्रधान नरिंदर शास्त्री, पूर्व उपाध्यक्ष काउंसिल अमनदीप सिंह नागी, पार्षद जगनंदन गुप्ता, पार्षद पवन पिंका, सहित अन्य पार्षदों के अलावा वरुण मूडेजा, धीरज कालरा समेत आसपास के गांवों से काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कैप्टन का कांग्रेस में शामिल होने का रास्ता पूरी तरह बंद

कैप्टन अमरिंदर सिंह के कुछ दिन पहले सोनिया गांधी के साथ मुलाकात के मुद्दे पर वड़िंग ने कहा कि कैप्टन साहब अब किसी से भी मिल लें लेकिन कांग्रेस में उनके लिए दरवाजे पूरी तरह से बंद हैं।

उपचुनाव में दिखा इंडिया का दमखम

- सात में तीन पर भाजपा व चार पर गठबंधन का दबदबा
- विपक्षी लगाए दम तो एनडीए हो सकता है बेदम
- यूपी में सपा ही देगी बीजेपी को टक्कर
- कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस मिलकर लड़ेंगे!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। छह राज्यों के सात विधानसभाओं के उपचुनाव में इंडिया व एनडीए में कांटे की टक्कर देखने को मिली। सीटों के हिसाब से 7 में चार पर इंडिया गठबंधन ने बाजी मारी है जबकि एनडीए को 3 सीटे ही मिली है। जहां त्रिपुरा व उत्तराखंड में बीजेपी ने जीत हासिल की है वहीं केरल में कांग्रेस, यूपी के घोसी में सपा, पश्चिम बंगाल में टीएसी व झारखंड में झामुमो ने चुनाव जीत लिया है। इस जीत से इंडिया गठबंधन के खेमे में खुशी छा गई है। इंडिया के घटक दल कह रहे 2024 में बीजेपी को जनता नकार देगी। उधर बीजेपी कह रही है कि हम समीक्षा करेंगे। इस परिणाम से एकबात तो उजागर हो गई है इंडिया गठबंधन अगर पूरी मेहनत से जनता के बीच में जनहित के सरोकार के मुद्दे उठा देगी तो वह एनडीए-बीजेपी को सत्ता से कोसो दूर कर सकती है। हालांकि अब बीजेपी भी कोई न कोई रणनीति तैयार करेगी फिलहाल तो मोदी सरकार जी-20 देशों के सम्मेलन में व्यस्त है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खरगे व अन्य नेता मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में चुनावी रैली करके जनता के बीच में भाजपा की कलई खोलने में लगे हैं।

वहीं कर्नाटक में भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के बीच बड़े समझौते की खबर सामने आ रही है। पार्टी के नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने एलान किया है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए जेडीएस को चार सीटें देने पर सहमति जता दी है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने इशके लिए हामी भर दी है। गौरतलब है कि जेडीएस के विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से दूर रहने के बाद ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ जा सकती है। फिलहाल राज्य में भाजपा और जेडीएस के सियासी ताकत की बात करें तो जेडीएस के मुकाबले भाजपा काफी आगे दिखती है। राज्य में 28 लोकसभा सीटों में से सबसे ज्यादा 25 सीटें भाजपा के पास हैं। इसके अलावा एक-एक सांसद कांग्रेस-जेडीएस और एक जेडीएस समर्थक निर्दलीय सांसद है। जब कर्नाटक की बात आती है तो जेडीएस के साथ बीजेपी के रिश्ते को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि एक साथ जाने से दोनों पार्टियों को मदद मिलेगी, दूसरों का कहना है कि भाजपा के लिए संभावित मामूली लाभ गठबंधन के लायक नहीं हो सकता है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और जेडीएस के बीच गठबंधन की ओर इशारा किया जाता है, जब दोनों पार्टियां केवल एक-एक सीट ही जीत सकीं।

> जहां त्रिपुरा व उत्तराखंड में बीजेपी ने जीत हासिल की है वहीं केरल में कांग्रेस, यूपी के घोसी में सपा, पश्चिम बंगाल में टीएसी व झारखंड में झामुमो ने चुनाव जीत लिया है।

हम भारत जोड़ो बोलते हैं वो भारत तोड़ो

खरगे ने कहा कि हम भारत जोड़ो बोलते हैं, तो वो हमेशा भारत तोड़ो कहते हैं। अब इधर-उधर इंडिया की जो ऑल पार्टी की मीटिंग थी। हमने सबको मिलाकर इकट्ठा करके एक मजबूत संगठन बनाया। जिसका नाम %इंडिया% रखा गया। ये नाम देखकर वो घबरा रहे हैं। अरे आप इंडिया छोड़ दो, आप भारत नाम रखो। अब भारत नाम रखने के लिए आ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि संविधान में इंडिया मतलब भारत ये दोनों शब्द है। भाई आपको क्या एतराज। हम भारत जोड़ो पहले ही बोल रहे हैं, लेकिन आप कुछ ना कुछ नया लाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा के साथ हमने तो ये संदेश देश भर में फैलाया है। अगर हम कहीं उसकी बात करते हैं तो वो उसे बदनाम करने की कोशिश करते हैं या फिर लोगों को भ्रमित करते हैं। खरगे ने कहा कि जय नारायण व्यास , सुखाड़ियाजी और सेंटर में पंडित जवाहरलाल नेहरुजी नहीं होते तो क्या राजस्थान को जो फायदा पहुंचाया गया वो सब हो पाता। आपने क्या कुछ नहीं किया। कांग्रेस को गालियां देते हैं या फिर धर्म के नाम पर इकट्ठा करो, हिंदू-मुसलमान करते हैं। अरे ये बताओ देश के गरीबों को कैसे बचाएंगे, उनका पेट कैसे भरेंगे, उनको नौकरी कैसे देंगे और महंगाई को कैसे खत्म करेंगे और सभी भारतवासियों को 500 रुपए में सिलेंडर कब दोगे।

कर्नाटक विस चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर 36 फीसदी और जेडीएस का 14 फीसदी था

अब भाजपा-जेडीएस गठबंधन पर बातचीत के साथ एक सवाल यह है कि क्या दोनों पार्टियां एक-दूसरे को वोट ट्रांसफर कर सकती हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर 36 फीसदी और जेडीएस का 14 फीसदी था, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में अकेले बीजेपी को 52 फीसदी वोट मिले थे। जेडीएस को जहां बीजेपी की जरूरत है, वहीं इसको क्षेत्रीय पार्टी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। लोकसभा चुनाव में जेडीएस को साथ लेने के लिए बीजेपी की ओर से गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। सतही तौर पर यह एक अच्छा समीकरण दिखता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई बड़े मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाना बाकी है। लोकसभा चुनाव से पहले बीबीएमपी और जिला पंचायत चुनाव हैं। कोई भी गठजो? को इन दो चुनावों में कमाल दिखाना होगा और गठबंधन के काम करने के लिए दोनों पार्टियों के बीच की केमिस्ट्री भी होनी चाहिए।

इंद्रा जी ने खोले थे गरीबों के लिए बैंक : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि राजस्थान महान हस्तियों का प्रदेश है, उनको मैं प्रणाम करता हूं। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप या मुहम्मद शाह हों सभी ने इस धरती पर जन्म लेकर अपना पराक्रम दिखाया है और देश की रक्षा के लिए उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी भी दी है। भीलवाड़ा के विकास में कांग्रेस का भी योगदान है। यहां के टैक्सटाइल वर्कर और टैक्सटाइल काम देश को बहुत बड़ी देन है। खरगे ने कहा कि मुझे याद है जब सीपी जोशी केंद्र में ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर थे, उस वक्त मुझे यहाँ पर मेमू) ट्रेन की एक फैक्ट्री बनाने के लिए बुलाया गया था। मैं और सोनिया गांधी यहां आए थे और उसकी बुनियाद डाल कर गए थे। लेकिन, वो पत्थर वहीं रह गया,

इसलिए कि ये जो मोदी सरकार किसी को ऊपर आने नहीं देती है और कांग्रेस ने जो पहले किया है, उसको मिटाने में वो खुशी मानते हैं। खरगे ने कहा- लैंड रिफॉर्म यहां पर हुआ है। उसी के साथ-साथ यहां जो छोटे-मोटे राजे महाराजे थे, उन सबकी तनख्वाह भी इंदिरा गांधीजी ने बंद कर दी थी और गरीबों के लिए बैंकों के रास्ते भी खोल दिए थे। ये कांग्रेस का काम है। आप लोगों (भाजपा) के पास काम करने की कोई हिम्मत नहीं है। कहीं भी जाओ, परिवारवाद, परिवारवाद, क्या है परिवारवाद? किसके लिए बोलते हैं, क्योंकि राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4,500 किलोमीटर की यात्रा पैदल की। उन्होंने लोगों के दुख और दर्द को समझा। उस भारत जोड़ो यात्रा में गरीब, किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिलाएं और अनेक लोग शामिल हुए। इतनी बड़ी यात्रा शायद भारत में पहले कभी हुई नहीं और आगे भी नहीं होगी। राहुल गांधी ने इतना बड़ा कदम उठाकर भारत जोड़ो यात्रा की।

संघ के पूर्व प्रचारक भी उतरेंगे चुनावी मैदान में

देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पहली बार आरएसएस के कई बड़े नाम पार्टी बनाकर राजनीति में चुनौती पेश करने जा रहे हैं। इस नई पार्टी में आरएसएस के कई पूर्व प्रचारक शामिल हैं जो 10 सितंबर को भोपाल में पार्टी का गठन करेंगे। आरएसएस छोड़ चुके इन प्रचारकों का मकसद है देश की जनता को हिन्दुत्व आधारित सौ प्रतिशत खरी राजनीतिक पार्टी का विकल्प देना। इससे जुड़े सभी कार्यकर्ता इससे पहले भारत हितरक्षा अभियान के बैनर तले सामाजिक आंदोलन चलाते रहे हैं। इन्होंने देश में कई बड़े आंदोलनों को मूर्त रूप दिया है। भोपाल में 10 सितंबर को देशभर के कार्यकर्ता जुटेंगे और इस नई पार्टी के गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देंगे। पार्टी का नाम जनहित पार्टी तय किया गया है और इस कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पार्टी के नाम के लिए आवेदन दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में कई जगह अपने समर्थकों को चुनाव लड़वाने की तैयारी की जा रही है। बैठक प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक भोपाल में होगी। बैठक में सभी दूर से आए कार्यकर्ताओं का परिचय, पार्टी स्थापना की पृष्ठभूमि, पार्टी गठन की वैधानिक कार्रवाई, आगामी कार्यक्रमों के विषय में चर्चा कर सभी का कार्य विभाजन कर दिया जाएगा। मध्यप्रदेश के सभी क्षेत्रों से कार्यकर्ता यहां आएंगे। सभी कार्यकर्ता सामाजिक रूप से अपने क्षेत्रों में लंबे समय से सक्रिय हैं। भारत हितरक्षा अभियान के प्रणेता अभय जैन ने इस पार्टी के गठन की शुरुआत की। इनमें अभय जैन के साथ मनीष काले, विशाल बिंदल मुख्य रूप से शामिल हैं। अभय जैन मध्यप्रदेश में प्रांत बौद्धिक प्रमुख रह चुके हैं। वे इंदौर नगर प्रचारक के साथ सिक्किम विभाग प्रचारक और प्रांत सेवा प्रमुख जैसे बड़े दायित्व पर रह चुके हैं। इंदौर और मध्यप्रदेश समेत देश के कई राज्यों में अभय जैन लंबे समय से सक्रिय हैं। वे देशभर के लोगों को इस नई विचारधारा से जोड़ने का काम कर रहे हैं। मनीष काले आरएसएस के रीवा विभाग प्रचारक रह चुके हैं। ग्वालियर-चंबल के पूरे क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं और वहां के लोगों को नई राजनीतिक पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विशाल बिंदल भोपाल सायं बाग प्रचारक रह चुके हैं। वे इन दिनों झारखंड में सक्रिय हैं और वहां पर सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का नेतृत्व कर रहे हैं। डॉक्टर सुभाष बारोट पिछले 40 वर्षों से सामाजिक कार्यों में संलग्न हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

घोसी चुनाव से इंडिया को मिली ताकत

घोसी उपचुनाव में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। इंडिया बनाम एनडीए की पहली लड़ाई में बीजेपी को हार मिली है। अभी लोकसभा चुनाव बाकी है। चुनाव में दारा सिंह की हार के कई फैक्टर हैं। सबसे बड़ा नुकसान उनके दलबदलू छवि की है। इसके अलावा बीजेपी कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी भारी पड़ गई। सपा की एक-एक मतदाता के पास जाकर वोट मांगने की रणनीति भी उसको चुनाव जीतने में मदद करी। इस जीत से पूरे देश में यह संदेश गया कि इंडिया गठबंधन धीरे-धीरे लोगों के बीच में पैठ बना रही है। अगर उसने जनहित से जुड़े मुद्दों को अच्छे से उठा दिया तो 2024 लोस सभा चुनाव में उसको लाभ मिल सकता है। उत्तरप्रदेश के घोसी उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी दारा सिंह चौहान बड़े अंतर से हार गए। समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने दारा सिंह चौहान को बड़े अंतर से हरा दिया। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में दारा सिंह चौहान 20 हजार के अधिक वोटों से जीते थे। मगर उपचुनाव में घोसी की जनता ने उनका साथ नहीं दिया।

यूपी की राजनीति मे दारा सिंह चौहान को मौसम वैज्ञानिक माना जाता है। वह अभी तक पांच बार पार्टी बदल चुके हैं। पिछले दो चुनाव से उनका आकलन गलत साबित हुआ। 2022 में दारा सिंह को उम्मीद थी कि बीजेपी यूपी की सत्ता में दोबारा नहीं लौटेगी मगर उनका अनुमान गलत साबित हुआ। दारा सिंह खुद को घोसी से जीत गए मगर यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार दूसरी बार बन गई। दारा सिंह चौहान ने कांग्रेस से अपनी राजनीति शुरू की। इसके बाद उन्होंने मुलायम सिंह के दौर में समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। सपा से बीएसपी में चले गए और फिर समाजवादी पार्टी में लौटे। 2017 में बीजेपी से चुनाव लड़े और मधुबन सीट के विधायक बने। विधानसभा चुनाव से पहले दारा सिंह चौहान बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। जब बीजेपी की सरकार बनी तो फिर से बीजेपी का दामन थाम लिया। उपचुनाव में दारा सिंह का दलबदल जनता को रास नहीं आया। जुलाई में उन्होंने दोबारा बीजेपी जॉइन की थी। दो महीने में उन्हें मौका नहीं मिला कि खुद को भाजपा कार्यकर्ता के तौर पर स्थापित कर सके। घोसी के वोटर उन्हें समाजवादी पार्टी के नेता ही समझ बैठे। दारा सिंह के बीजेपी में वापसी से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता भी नाराज बताए जा रहे थे। पिछले चुनावों में दारा सिंह चौहान ने बतौर समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट बीजेपी के स्थानीय कार्यकर्ताओं को काफी भला-बुरा कहा था। कई इलाकों में दारा समर्थक सपा कार्यकर्ताओं से बीजेपी कार्यकर्ताओं की झड़प भी हुई थी। उपचुनाव में पार्टी के बड़े नेताओं ने दारा सिंह का खुलकर साथ दिया मगर कार्यकर्ताओं का दिल नहीं जीत पाए।

सबसे बड़ा नुकसान उनके दलबदलू छवि की है। इसके अलावा बीजेपी कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी भारी पड़ गई। सपा की एक-एक मतदाता के पास जाकर वोट मांगने की रणनीति भी उसको चुनाव जीतने में मदद करी। इस जीत से पूरे देश में यह संदेश गया कि इंडिया गठबंधन धीरे-धीरे लोगों के बीच में पैठ बना रही है। अगर उसने जनहित से जुड़े मुद्दों को अच्छे से उठा दिया तो 2024 लोस सभा चुनाव में उसको लाभ मिल सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कूटनीतिक प्रतिद्वंद्विता का मंच न बने ब्रिक्स

जी. पार्थसारथी

जैसे-जैसे राष्ट्रपति जो बाइडेन का बतौर राष्ट्रपति पहला कार्यकाल खत्म होने को है, तेल संपन्न फारस की खाड़ी पर अमेरिका को अपनी नीतियों को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चीन ने बड़ी दक्षता और सततता से समूचे हिंद महासागरीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है, विशेषकर फारस की खाड़ी में, जहां लगभग 35 लाख भारतीय कामगार प्रवासी हैं। यह इलाका भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए बहुत महत्व रखता है। खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका की कूटनीति पिछले कुछ वर्षों से अनाड़ी-सी देखी गई है, राष्ट्रपति बाइडेन ने गैर-कूटनीतिक बयानबाजी तक कर दी जब अक्टूबर 2018 में उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का नाता, अमेरिका में बसे और राजशाही के कड़े आलोचक सऊदी पत्रकार जमाल अहमद खाशोगी के कत्ल से जोड़ डाला। खाशोगी की हत्या इस्ताम्बुल में सऊदी अरब के दूतावास में हुई थी। इसके बाद से सऊदी-चीन सहयोग में तेजी से विस्तार हुआ, हालांकि बाद में बाइडेन ने सऊदी राजपरिवार से संबंध सुधारने की कोशिशें की।

तब से लेकर सऊदी अरब पर अमेरिका का राजनीतिक एवं आर्थिक प्रभाव घटता गया। गुपचुप तरीके से सऊदी अरब और ईरान के बीच समझौते करवाकर, दोनों के बीच दुश्मनी भरे रिश्ते को सामान्य बनवाना चीन का खाड़ी देशों में सबसे बड़ा कारनामा रहा। यह काम ईरान के प्रति अमेरिका के निरंतर वैमनस्य भरे रुख से विपरीत रहा, ईरान अब यूक्रेन युद्ध में इस्तेमाल के लिए रूस को हथियार पहुंचा रहा है। पिछले साल राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अरब की खाड़ी मुल्कों से रिश्तों में विस्तार करने को मंजूरी दी थी, इन विषयों में वित्त, विज्ञान, तकनीक और हवाई क्षेत्र शामिल हैं। शी जिनपिंग के इस संकल्प का सऊदी अरब की राजशाही ने स्वागत किया और युवराज सलमान ने शी जिनपिंग की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उसके बाद से सऊदी अरब पर अमेरिकी राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव को चुनौती मिलती गई। आगे, सऊदी अरब और चीन ने औद्योगिक सहयोग स्थापित करने का निर्णय लिया है।

सऊदी नेतृत्व ने चीन की तकनीक-महारथी कंपनी हुआवे को वहां पर उच्च-तकनीक उद्योग स्थापित करने की मंजूरी दी है। हालांकि अरब की खाड़ी के अन्य देश नए सऊदी-ईरान रिश्ते पर सऊदी अरब जितने उत्साहित नहीं हैं। उनमें लगभग सभी अपनी

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मुख्यत: बहरीन स्थित अमेरिकी नौसैन्य अड्डे पर तैनात पांचवें बेड़े पर निर्भर हैं। जहां चीन खाड़ी मुल्कों में अपना प्रभाव बढ़ाने में व्यस्त था, वहीं इस बीच दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) संगठन के नेताओं के बीच हुए शिखर सम्मेलन के रूप में एक महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, ब्रिक्स को सोवियत यूनियन के विघटन के बाद उभरती हुई नव-आर्थिक शक्तियों का गुट कहा जाता है। लिहाजा, ब्रिक्स की सदस्यता को विस्तार देने और शामिल होने के लिए कई देश इच्छा जताते आए हैं, खासकर एशियाई मुल्क। दक्षिण अफ्रीका में संपन्न हुआ शिखर सम्मेलन अपने आप में अलहदा रहा, मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका का वैश्विक परिदृश्य पर अफ्रीकी देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाने में दिखाया दृढ़-संकल्प जायज था और इसके लिए विकास फंड की उपलब्धता में इजाफा करने का प्रस्ताव रखा गया। भारत के ध्यान का केंद्र जहां आर्थिक विकास रहा वहीं चीन और रूस की रुचि क्वाड की सदस्यता में विस्तार करवाने में दिखी। वे चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और जापान को छोड़कर अधिकांश हिंद-प्रशांत महासागरीय मुल्कों को इसमें शामिल किया जाए। सावधानीपूर्वक विचार के बाद ब्रिक्स ने अर्जेंटाइना, मिस्र, ईरान, सऊदी अरब और यूएई को बतौर नया सदस्य आमंत्रित किया है। रोचक यह है कि, एक बड़ी एशियाई शक्ति के रूप में इंडोनेशिया, जिसका चीन से पुराना विवाद रहा है, को नहीं बुलाया गया। दक्षिण चीन सागर के अधिकांश मुल्कों की तरह इंडोनेशिया का भी चीन के साथ सागरीय सीमा विवाद जारी है।

इसके अलावा, लगभग 27.8 करोड़ आबादी वाले इंडोनेशिया, जिसकी अपनी स्वतंत्र विदेश नीति है, को भी ब्रिक्स में जितना जल्द हो, शामिल किया जाए। बृहद आयाम में; इस प्रक्रिया में, जो हो रहा है, एक ओर ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच संबंध प्रगाढ़ होंगे तो वहीं दूसरी ओर रूस और चीन के बीच भी। यह होना ही था क्योंकि जिन पांच सदस्यों ने ब्रिक्स संगठन बनाया था, वे वही थे जिनका आर्थिक भविष्य सोवियत यूनियन के पतन के बाद उत्थान की राह पर था। संगठन के मूल चार सदस्यों में दो यानी चीन और रूस मिलकर पश्चिमी जगत को चुनौती देने लगे, जबकि कतर और बहरीन में तैनात अपने पांचवें समुद्री बेड़े के साथ अमेरिका के खाड़ी के अरब मुल्कों के साथ निकट रक्षा संबंध हैं।

खास मेहमानों के इंतजार में नामचीन होटल

अमिताभ स.

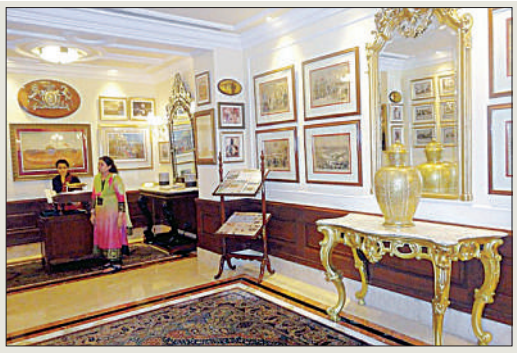

जी-20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने गणमान्य मेहमान नयी दिल्ली पहुंचने लगे हैं। नई दिल्ली के कनॉट प्लेस से सटे जनपथ (पुराना नाम क्वींसवे) का द इम्पीरियल होटल जी-20 के मेहमानों की मेजबानी करने वाला सबसे पुराना होटल होगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज इसी होटल में रहेंगे। अंदर-बाहर से आज भी होटल शानदार लगता है। इसका डिजाइन 1934 में एक अंग्रेज ब्लोम फील्ड ने बनाया था, और 1936-37 में होटल बनकर तैयार हुआ। लॉर्ड विलिंगडन ने होटल का उद्घाटन किया था। बंटवारे की रूपरेखा की शर्तों पर पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, मुहम्मद अली जिन्ना और लॉर्ड मॉउंटबेटन की तमाम अहम बैठकें यहीं होती थीं। होटल का निर्माण सरदार बहादुर रणजीत सिंह ने करवाया था। आज उनके पोते सरदार हरदेव सिंह अकोई और सरदार जसदेव अकोई ही मालिक हैं।

हालांकि जी-20 में शामिल होने आ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन नयी दिल्ली के अपेक्षाकृत नये होटल मौर्य शेरेटन में रहेंगे। इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के रहने से पहले मौर्य शेरेटन होटल जब से बना है, तब से ही अमेरिकी राष्ट्रपतियों का पसंदीदा ठिकाना बना है। बाइडेन से पहले इसमें डोनाल्ड ट्रंप, जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन, बराक ओबामा और जिमी कार्टर समेत पांच अमेरिकी राष्ट्रपति ठहर चुके हैं। यह होटल 1970 दशक के आखिरी सालों में दिल्ली में आयोजित 1982 की एशियाई खेलों से पहले बनाया गया था। जबकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तो नहीं आ रहे, लेकिन चीन की प्रधानमंत्री ली कियांग के उनके पड़ोस के होटल ताज पैलेस में ठहरने की व्यवस्था की गई है। अगर चीनी राष्ट्रपति आते, तो वह भी इसी होटल में रहते। यह भी 1980-81 में बना था। दोनों होटल डिप्लोमैटिक एन्क्लेव की एक ही सड़क सरदार पटेल मार्ग पर अलग-बगल हैं। उधर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को जनपथ स्थित शांग्रीला होटल में ठहराया जा रहा है। यहीं पहले 1980 के सालों में आईटीडीसी का कनिष्का होटल था। इसे तोड़ कर ही शांग्रीला होटल बनाया गया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन का डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड पर क्लेरिजेस होटल में रुकने का कार्यक्रम है। यह भी दिल्ली के पुराने होटलों में से एक है। आगामी 9 और 10 सितंबर को दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, मेहमान आने लगे हैं। इसमें करीब 29 देशों के अध्यक्षों, उच्च अधिकारियों, अतिथि देशों के प्रतिनिधियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 14 शीर्ष नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। दिल्ली और एनसीआर के करीब 30 होटलों में कद्दावर नेताओं और उनके साथ आए प्रतिनिधियों के रहने के इंतजाम किए गए हैं। द इंपीरियल होटल में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के संग, वहीं इंडोनेशिया के मेहमान भी ठहर रहे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति तैय्यप एर्दोगान और उनका ग्रुप ओबराय होटल में रुकेगा। वर्ष 1965 से ओबराय इंटरकॉन्टिनेटल होटल दिल्ली के अशोक होटल के बाद प्राइवेट सेक्टर का दूसरा बड़ा और मशहूर होटल है। तब आज के मौर्य, ताज मानसिंह, ताज पैलेस, ली मेरेडियन, द ललित, हयात वगैरह होटलों का कहीं कोई अता- पता नहीं था। ओबराय 1965 में चालू हुआ, तो दिल्ली में पंचतारा संस्कृति को नई पहचान मिली। हालांकि यह ओबराय ग्रुप का दिल्ली में पहला होटल नहीं था। इससे पहले ओबराय ग्रुप मैनेजमेंट करार के तहत जनपथ स्थित द इम्पीरियल चला रहा था। तब इसका नाम 'द ओबराय इम्पीरियल' था। फिर भी, यह हर लिहाज से खास था। तब ओबराय ग्रुप के संस्थापक राय बहादुर एमएस ओबराय चाहते थे कि दिल्ली में उनका नवनिर्मित होटल अमेरिकी अंदाज में 24 घंटे रूम सर्विस, कॉफी शॉप, मल्टी कूजीन रेस्टोरेंट और वर्ल्ड क्लास सर्विस से लैस हो। हाल ही में, रेनोवेशन के बाद होटल नई सजधज के साथ फिर से चालू हुआ है। ब्राजील के नेता भी ताज पैलेस में ही ठहरेंगे। इटली और सिंगापुर की टीमें भीकाजी कामा प्लेस में होटल हयात रीजेंसी में रहेंगी। नीदरलैंड, नाइजीरिया और स्पेन के प्रतिनिधिमंडलों को जनपथ के ली मेरिडियन में ठहराया जा रहा है। ओमान से आए मेहमान लोधी होटल में रुकेंगे। जर्मनी का प्रतिनिधिमंडल भी शांग्रीला होटल में रुकेगा। यूएई का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के ताजमहल होटल में रहेगा। साकेत में शेरेटन होटल में मिस्र के प्रतिनिधिमंडल का आवास बनेगा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके संग आए मेहमानों को गुरुग्राम के ग्रैंड हयात होटल में ठहराया जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कनॉट प्लेस के ललित होटल में रुकेंगे। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी आ रहे हैं, और इसी होटल में रहेंगे। कोरियाई प्रतिनिधियों की मेजबानी ओबेरॉय गुरुग्राम में होगी। सऊदी अरब का प्रतिनिधिमंडल गुरुग्राम के लीला एम्बिएंस होटल में रहेगा।

जी-20 देशों के समूह में भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और ईयू समेत बीस देश हैं। इनके अतिरिक्त स्पेन को परमानेंट गेस्ट का दर्जा हासिल है। नीदरलैंड, बांग्लादेश, इजिप्ट, मॉरीशस, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर और यूएई खास आमंत्रित देश हैं। इसके साथ ही, एनसीआर के विवांता (सूरजकुंड), आईटीसी ग्रेंड (गुरुग्राम), रीजेंसी (गुरुग्राम), द ओबेरॉय (गुरुग्राम), वेस्टइन (गुरुग्राम), क्राउन प्लाजा (ग्रेटर नोएडा) वगैरह होटलों में बुकिंग की गई हैं।

बच्चे की परवरिश में सिंगल पैरेंट महसूस करते हैं अकेलापन

बच्चों को डिसिप्लिन सिखाना

पिता के रहते हुए बच्चे आसानी से अनुशासन सीख लेते हैं लेकिन एक सिंगल मदर के लिए यह काम करना थोड़ा मुश्किल होता है। इमोशनल स्ट्रेस की वजह से कुछ बच्चे गलत रास्ते पर चले जाते हैं और उन्हें सुधारना या डिसिप्लिन सिखाना सिंगल पैरेंट के लिए काफी मुश्किल होता है। अगर आप बच्चे की को-पैरेंटिंग कर सकते हैं, तो इस बारे में जरूर सोचें। इससे आपका भी बोझ कम होगा और बच्चे को डिसिप्लिन में रखना भी आसान हो जाएगा।

आत्मविश्वास में कमी

सिंगल पैरेंट को सोसायटी के काफी ताने सुनने पड़ते हैं। सिंगल पैरेंट को सपोर्ट करने के बजाय सोसायटी उन्हें अलग ही नजरों से देखती है, ऐसे में आत्मविश्वास कम होना लाजिमी है। अगर आप पर भी ये चीज हावी हो रही है, तो आप खुद को ऐसी एक्टिविटीज में व्यस्त रखें जो आपका आत्मविश्वास मजबूत करने में मदद कर सकें। अपने आसपास ऐसे लोगों को रखे जो आप पर विश्वास रखते हों और आपको जज किए बिना आपको समझते हों।

इस बात को तो आप भी अच्छी तरह से समझते होंगे कि बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है और अगर आपको अकेले ही ये काम करना पड़े, तो परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। सिंगल पैरेंट की जिन्हें बच्चे की परवरिश में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पार्टनर के साथ काफी चीजें और काम आसान हो जाते हैं लेकिन जब आपको अकेले ही सब काम करने पड़ते हैं, तो आपको अकेलापन घेरना शुरू कर सकता है। सिंगल पैरेंटिंग में सबसे ज्यादा मुश्किल यही एहसास होता है कि आपके पास ऐसा कोई नहीं है जिसका आप सहारा ले सकें। इमोशनल सपोर्ट के लिए आपके पास कोई नहीं होता है। अगर आप भी सिंगल पैरेंटिंग में ऐसा ही महसूस करते हैं तो अपने नेगेटिव विचारों को पॉजिटिव सोच से बदलने की कोशिश करें क्योंकि इससे आपको ही नहीं बल्कि आपके बच्चे को भी फायदा होगा।

आर्थिक बोझ होता है

जब एक ही पैरेंट को अपने बच्चे की जिम्मेदारी संभालनी होती है, तब उन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ जाता है। घर के खर्चों के साथ बच्चे की पढ़ाई और उसकी जरूरतों का खर्चा मानसिक तनाव देने लगता है। वहीं बढ़ती आर्थिक जिम्मेदारियों से फ्रस्ट्रेशन होनी शुरू हो जाती है। अगर आप भी इस तरह की प्रॉब्लम से गुजर रहे हैं, तो बच्चे के साथ बैठकर बजट बनाएं और उससे बात करें कि आप किन लग्जरी वाली चीजों को हटा सकते हैं ताकि आपके ऊपर पैसों की तंगी का बोझ ना पड़े।

हंसना मना है

संता ने हाल ही में अंग्रेजी सीखना शुरू किया था। एक दिन उसकी साली उसके घर आई। अंग्रेजी का रुआब झाड़ने की गरज से संता ने उससे कहा-आई लव यू, साली पढ़ी लिखी थी और जीजाजी पर जान छिड़कती थी। जवाब में बोली-आई लव यू टू, संता भी कहां पीछे रहने वाला था, बोला-आई लव यू थ्री!

बॉयफ्रेंड -मुझे मेहनती, सादगी से रहने वाली, आज्ञाकारी और घर संवार कर रखने वाली लड़की चाहीए..गर्लफ्रेंड -मेरे घर आकर मेरी नौकरानी को ले जा..

हिंदी टीचर- संता, काल कितने प्रकार के होते हैं? संता- तीन, मैडम। टीचर -शाबाश । अब तीनों का एक-एक उदाहरण दो। संता- मैडम, कल मैंने आपकी बेटी को देखा था, आज मैं उससे प्यार करता हूं और कल मैं उसे भगाकर ले जाऊंगा।

लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया, लड़की : मैं कल तुमसे मिलने नहीं आ सकती। बॉयफ्रेंड- ओह! चलो मैं तुम्हारा गिफ्ट किसी और को दे देता हूं। लड़की - मेरा मतलब था, मैं कल नहीं आ सकती! अभी कहां हो तुम?

कहानी: क्रोध में हार की झलक

बहुत समय पहले की बात है। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ की निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्म पत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाकी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिये बाहर जाना पड़ गया। लेकिन जाने से पहले देवी भारती नें दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, यें दोनो मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपके हार और जीत का फैसला करेंगी। यह कहकर देवी भारती वहां से चली गई। शास्त्रार्थ की प्रकिया आगे चलती रही। कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आई। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी- बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किये गये और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई थी। सभी लोग ये देखकर हैरान हो गये कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपने पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान नें देवी भारती से नम्रतापूर्वक जिज्ञासा की- हे ! देवी आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं फिर वापस लौटते ही आपने ऐसा फैसला कैसे दे दिया? देवी भारती ने मुस्कुराकर जवाब दिया- जब भी कोई विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है, और उसे जब हार की झलक दिखने लगती है तो इस वजह से वह क्रोधित हो उठता है और मेरे पति के गले की माला उनके क्रोध की ताप से सूख चुकी है जबकि शंकराचार्य जी की माला के फूल अभी भी पहले की भांति ताजे हैं। इससे ज्ञात होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है। विदुषी देवी भारती का फैसला सुनकर सभी दंग रह गये, सबने उनकी काफी प्रशंसा की।

शिक्षा-क्रोध मनुष्य की वह अवस्था है जो जीत के नजदीक पहुंचकर हार का नया रास्ता खोल देता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

आज तक एक भी नेशनल अवॉर्ड न मिलने से दुखी हैं कुमार सानू

कुमार सानू पिछले चार दशक से दर्शकों को एंटरटेन कर रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने 21 हजार से ज्यादा गाने गाए हैं। 90 के दशक में हर तरफ उनकी ही आवाज गूंजती थी। लेकिन इतना योगदान देने के बावजूद उन्हें आज भी नेशनल अवॉर्ड नहीं मिला है। और ना ही पद्म भूषण। अब इसको लेकर उनका दर्द छलका है। आइये जानते हैं कि उन्होंने सरकार और मक्खन को लेकर क्या कहा है। मालूम हो कि कुमार सानू को साल 2009 में भारत सरकार ने पद्म श्री के सम्मान से नवाजा था। एक सनम चाहिए आशिकी के लिए... मेरा दिल भी कितना पागल है... दो दिल मिल रहे हैं... ऐसे ही तमाम गाने, जो आज भी उतने ही फेमस हैं, जितने उस जमाने में हुआ करते थे। चाय की टपरी हो या फिर ऑटोरिक्शा, आज भी कई जगहों पर इस तरह के गाने बजते हैं। जब कानों में पड़ते हैं तो शहद की तरह घुल जाते हैं। इन गानों को आवाज देने वाले सिंगर कुमार सानू। रिपोर्ट्स कहती हैं कि उन्होंने 21 हजार से ज्यादा गानें गाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें मक्खन लगाने की कला नहीं आती है, उनके पास ऐसा अप्रोच भी नहीं है, जो उन्हें नेशनल अवॉर्ड तक पहुंचा सके। कुमार सानू ने अपना दर्द बताते हुए कहा कि उन्हें नेशनल अवॉर्ड और पद्म भूषण पहले ही मिल जाना चाहिए था, लेकिन इस सम्मान के बिना ही संतोष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, अगर आपके पास मक्खन लगाने की स्किल और बड़ा अप्रोच नहीं है तो ये अवॉर्ड मिलना संभव नहीं है। अगर सरकार को लगेगा तो मुझे अवॉर्ड दे देंगे। इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा नहीं है। कुमार सानू ने अपने करियर की शुरुआत बतौर सानू भट्टाचार्या साल 1983 में की थी। साल 1986 में वो तीन कन्या फिल्म में थे, जिसे Shibli Sadiq ने डायरेक्ट किया था। उनका मेजर बॉलीवुड सॉन्ग हीरो हीरालाल फिल्म में था, जो साल 1988 में रिलीज हुई थी। एक साल बाद जगजीत सिंह ने कुमार सानू का परिचय कल्याण जी से करवाया। उनके सुझाव पर ही कुमार सानू ने अपना नाम बदला। चूंकि वो किशोर कुमार को मानते थे, इसलिए अपने नाम के आगे कुमार लगा लिया। कल्याण जी-आनंद जी ने कुमार सानू को जादूगर फिल्म में गाने का मौका दिया। साल 1990 में कुमार सानू को तब सफलता मिली, जब आशिकी फिल्म हिट हुई और उन्होंने फिल्म के गाने गाए। फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साजन, दीवाना जैसी सुपरहिट फिल्मों में गाने गाए।

जवान देख गदगद हुईं कंगना शाहरुख खान को किया नमन

शाहरुख खान, नयनतारा, विजय सेतुपति और दीपिका पादुकोण (स्पेशल अपीयरेंस) अभिनीत 'जवान' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और अब तक की सबसे बड़ी बॉलीवुड ओपनर बनकर बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है। एडवांस टिकट बुकिंग के मामले में पहले ही जवान ने शाहरुख की आखिरी रिलीज 'पठान' को पछाड़ दिया है। रिलीज से पहले ही जवान के 14 लाख से अधिक टिकट बेचे जा चुके थे और अब दर्शकों के बीच जवान देखने की होड़ मची है। हर तरफ हाउसफुल के बोर्ड हैं। जवान को सभी से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

कई सेलिब्रिटीज ने सोशल मीडिया पर शाहरुख खान की फिल्म की तारीफ का है और इसे बेस्ट बॉलीवुड मसाला फिल्म का खिताब दे दिया है। अब 'पंगा क्वीन' कंगना रनौत ने भी शाहरुख खान की जवान देख ली है, जिस पर उन्होंने अपना रिएक्शन भी दिया है। कंगना को शाहरुख की हालिया रिलीज फिल्म इतनी पसंद आई कि उन्होंने किंग खान की तारीफों के पुल बांध डाले। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर किया है।

कंगना ने अपने पोस्ट में लिखा- 'नब्बे के दशक के अल्टीमेट लवर बॉय बने, फिर लंबे समय तक स्ट्रगल किया। चालीस की उम्र से लेकर 50 के मध्य तक अपनी ऑडियंस से फिर संबंध बैठाने की कोशिश की और अब अपने 60 (लगभग) की उम्र में सबसे बेहतरीन मास सुपर हीरो बनकर उभरे हैं। रियल लाइफ सुपर हीरो। मुझे वह समय याद है जब लोगों ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया था और उनकी पसंद का मजाक उड़ाया था, लेकिन उनका संघर्ष उन सभी कलाकारों के लिए एक मास्टर क्लास है, जो लंबे करियर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्हें फिर से दर्शकों के साथ कनेक्शन बिठाने की जरूरत है। कंगना ने अपने पोस्ट में आग लिखा- 'शाहरुख खान सिनेमा के भगवान हैं जिनकी भारत को जरूरत है। लेकिन, सिर्फ हग या डिंपल के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया को बचाने के लिए भी जरूरत है। आपकी लगन, मेहनत और विनम्रता को नमन किंग खान।'

मिशन रानीगंज में नए अंदाज में दिखे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार एक के बाद एक जबरदस्त प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच हाजिर हो रहे हैं। पिछले ही दिनों उनकी ओएमजी 2 को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलने के बाद अब उन्होंने अपने अगले प्रोजेक्टस का भी ऐलान कर दिया है । इस बार वह मिशन रानीगंज टाइटल से बनी फिल्म लेकर दर्शकों के समक्ष पेश हो रहे हैं। इस फिल्म में एक बार फिर से अक्षय का अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब फिल्म से एक्टर का लुक भी सामने आ गया है।

बता दें कि पहले अक्षय की इस फिल्म का नाम द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू रखा गया था। हालांकि, अब इस टैगलाइन बदलकर द ग्रेट भारत रेस्क्यू कर दी गई है। यह फिल्म खनन इंजीनियर जसवंत सिंह गिल की सच्ची कहानी पर आधारित है। उन्होंने 1989 में केवल अपने दम पर पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खादान में फंसे 64 लोगों की जान बचाई थी। अब इसी घटना को पर्दे पर उतारा जा रहा है। मेकर्स ने फिल्म का मोशन पोस्टर भी जारी कर दिया है, जिसमें अक्षय काफी अलग अंदाज में दिखे हैं।

जानिए कब आ रहा है फिल्म का टीजर

इस पोस्टर में देखा जा सकता है कि लोगों की भीड़ काफी हैरान-परेशान सी खड़ी है। वहीं, सिर पर पगड़ी और चश्मा लगाए अक्षय, खनन इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के लुक में काफी जच रहे हैं। पोस्टर के साथ ही फिल्म की टीजर रिलीज का भी ऐलान कर दिया गया है, जो गुरुवार को यानी 7 सितंबर को रिलीज किया जाएगा।

6 अक्टूबर को रिलीज होगी फिल्म

टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में एक बार फिर अक्षय के साथ परिणीति चोपड़ा को लीड एक्ट्रेस के तौर पर देखा जाएगा। इनके अलावा फिल्म में राजेश शर्मा, रवि किशन, दिब्येंदु भट्टाचार्य, गौरव प्रतीक, अनंत महादेवन और वरुण बडोला जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। मिशन रानीगंज इसी साल 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

अजब-गजब | इक्कीसवीं सदी में भी जारी है ये अजीबो-गरीब कुप्रथा

बांग्लादेश की मंडी जनजातिः यहां पिता अपनी बेटी से ही रचाता है शादी

दुनिया में जितने तरह के समुदाय हैं, उतने ही तरह की परंपराएं भी हैं। हर देश में अलग-अलग समुदाय-जनजातियों के लोग पाए जाते हैं, जो विभिन्न तरह के रीति रिवाजों का पालन करते हैं। इनमें से कुछ परंपराएं इतनी अजीबोगरीब होती है कि उनके बारे में जानकर बहुत हैरानी होती है। कुछ कुप्रथाएं आज भी जारी हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही कुप्रथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका पालन बांग्लादेश की एक जनजाति के लोग पुराने समय से करते आ रहे हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि बांग्लादेश की मंडी जनजाति के लोग अपनी बेटी के जवान होते ही उससे शादी कर उसका पति बन जाते हैं। जी हां, यह सुनने में भले ही आपको अजीब लग रहा होगा लेकिन यह सच है। यहां पिता और बेटी का रिश्ता पति-पत्नी के रिश्ते में बदल दिया जाता है।

रिपोर्ट्स की मानें तो बांग्लादेश की मंडी जनजाति से जुड़ी एक परंपरा कुप्रथा के समान हो चुकी है। दरअसल यहां के मर्द, कम उम्र में विधवा महिला से शादी करते हैं, लेकिन इस शादी के लिए शर्त ये होती है कि आगे चलकर वो उस महिला की बेटी से शादी कर लेगा।

यानी जिस लड़की के साथ पहले पिता का रिश्ता होता है आगे चलकर वही पति बन जाता है। हालांकि मर्द जिस लड़की से शादी करता है वह उसकी सगी बेटी नहीं होती है, बल्कि महिला की पहली शादी से हुई बेटी (सौतेली बेटी) होती है। आपको बता दें कि इस अजीबोगरीब कुप्रथा के पीछे एक कारण बताया जाता है। वह ये है कि जब कोई महिला कम उम्र में ही विधवा हो जाती है और उसकी एक बेटी होती है, तो वह किसी कम उम्र के लड़के से शादी करती है। ऐसे में उस महिला को भी एक मर्द का सहारा मिल जाता है। साथ ही शर्त के मुताबिक आगे चलकर उसकी बेटी भी उसी व्यक्ति की पत्नी बन जाती है। बेटी के जवान होते ही मर्द उससे शादी कर लेता है, जिसके बाद बेटी पत्नी होने का हर धर्म निभाती है। माना जाता है कि इस तरह की परंपरा से मां और बेटी दोनों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है। मर्द विधवा महिला की देखभाल के साथ उनकी बेटी का भी ख्याल रख सकता है।

फिलिपीन्स का जानलेवा गाना, अब तक ले चुका है कई लोगों की जान

गाने बेहद खास होते हैं, इंसानों को शांति प्रदान करते हैं और मूड को रिलैक्स करते हैं। अक्सर लोग पार्टी या फंक्शन्स में स्टेज पर भी गाने गुनगुनाने लगते हैं, लेकिन फिलिपीन्स में, लोग हर गाना गा सकते हैं, सिर्फ एक को छोड़कर। लोगों का दावा है कि इस गाने को गुनगुगाने के बाद लोगों की मौत हो जाती है। आजकल सोशल मीडिया पर कुछ कंपनियों के गाने, वीडियोज में इस्तेमाल करने पर कॉपीराइट की समस्या खड़ी हो जाती है। पर फिलिपीन्स में तो एक गाना लाइव गाने पर कॉपीराइट से भी बड़ी समस्या पैदा हो जती है और लोगों की जान चली जाती है। रिपोर्ट के अनुसार अगर आप फिलिपीन्स में हैं या फिर वहां घूमने जा रहे हैं तो एक बात से आपको बहुत ज्यादा सावधान होने की जरूरत है। वो ये कि यहां पर कभी भी गायक फ्रैंक सिनात्रा का 'माय वे' गाना नहीं गुनगुनाना है। अगर कोई लाइव स्टेज पर ये गाना गा देता है तो उसकी हत्या कर दी जाती है। अब तक 12 लोगों की हत्या इस गाने की वजह से कर दी गई है। आपको बता दें कि फ्रैंक सिनात्रा एक अमेरिकी सिंगर थे और उनके माय वे गाने को बेहद प्रसिद्ध गाना माना जाता है। माय वे पर फिलिपीन्स में प्रतिबंध नहीं लगा है, फर उसके बावजूद इस गाने को यहां पर कोई नहीं गाता। 1998 के बाद से गाना गाने से लोगों ने खुद को वर्जित कर लिया था। कई कैरियोके बार्स में भी इस गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। 1998 के समय से जो भी इस गाने को गाता, उसकी हत्या कर दी जाती। या तो गाना गाने के दौरान हत्या कर दी जाती या गाने के तुरंत बाद गाने वाले को मौत के घाट उतार दिया जाता। ये गाना बेहद फेमस है। अब सवाल ये उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस बारे में कोई नहीं जानता कि लोगों ने ये हत्याएं करना क्यों शुरू कर दिया है। लोगों का मानना है कि गाना, हत्या का कारण नहीं है। असल में देश में कई ऐसे कारियोके बार हैं जहां पर इस गाने को गाया जाता है। वहां पर अक्सर लोग शराब के नशे में धुत हो जाते हैं और उनके पास हथियार भी होते हैं। बस नशा, गाने की धुन और बंदूक की मौजूदगी, लोगों को हत्या करने के लिए प्रेरित करती है। डेली स्टार के अनुसार मिस्टर बैलेन नाम के पॉडकास्टर ने कहा कि गाने की लाइनें भी लोगों को हिंसा के लिए उत्तेजित कर देती हैं। गाने की लाइनों में बताया गया है कि मर्द होने के क्या मायने हैं। बस इन बातों को सुनकर लोगों के अंदर हिंसा करने की उत्तेजना पैदा हो जाती है।

चारों ओर सूखे से मचा हाहाकार मस्त है सरकार : मुखपत्र सामना

» शिवसेना (उद्धव गुट) ने शिंदे सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदनगर। महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति पर राजनीति गरमाती हुई दिखाई पड़ रही है। एक दिन पहले संगमनेर जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को किसानों ने रोककर अपनी पीड़ा व्यक्त की थी।

किसानों से शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख की मुलाकात पर पार्टी के मुखपत्र सामना में बड़ा हमला बोला है। इसमें सूखेजैसा दृश्य, सरकार-मंत्री अदृश्य! शीर्षक छपी खबर में कहा गया है कि सरकार किसानों की नहीं सुन रही है। इसमें उद्धव ठाकरे की किसानों के साथ हुई बातचीत का ब्योरा दिया गया है। महाराष्ट्र में अगस्त महीने में काफी कम बारिश हुई है। इसके चलते राज्य में किसानों की हालत खराब हुई है। सूखे की स्थिति से राज्य के 11 जिले ज्यादा प्रभावित हुए हैं। महाराष्ट्र सरकार के कृषि विभाग के आंकड़ों के में कहा गया है कि राज्य में अगस्त में सामान्य बारिश का केवल 40 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे सूखे की संभावना पैदा हो गई। जून और अगस्त के अंत के बीच इस मानसून में 11 जिलों में 32 से 44 प्रतिशत कम वर्षा हुई थी। सामना में लिखा गया है कि किसानों से बातचीत में पता कि बिजली नहीं आती है केवल बिल मिलता है। किसान पीने का पानी खरीदने को मजबूर हैं। सामना ने उद्धव ठाकरे का हवाला देकर एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली सरकार पर कड़ा निशाना साधाते हुस सूखे की स्थिति को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

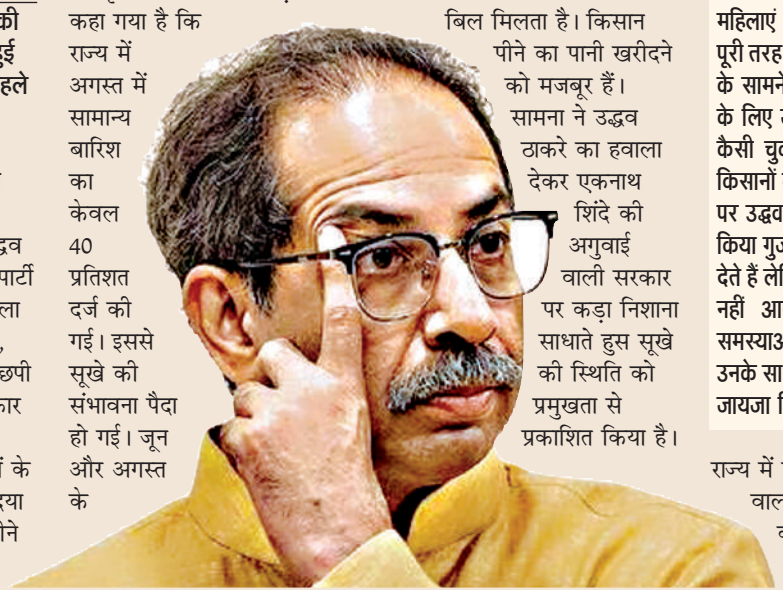

किसानों से मिले ठाकरे रो पड़ीं महिलाएं

मुखपत्र में लिखा गया है कि उद्धव ठाकरे की किसानों से मुलाकात में महिलाएं रो पड़ीं। किसानों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। किसानों के सामने संकट है कि उन्होंने फसल के लिए जो कर्ज लिया था वो अब वे कैसी चुकाएंगे। गुजरात के बैंकों से किसानों को कर्ज के लिए नोटिस आने पर उद्धव ठाकरे ने कहा आश्चर्य व्यक्त किया गुजरात के लोग आपको नोटिस देते हैं लेकिन यहां आपकी व्यथा सुनने नहीं आते हैं क्या? किसानों की समस्याओं सुनने के बाद उद्धव ठाकरे उनके साथ खेत में गए और हालात का जायजा लिया।

राज्य में शरद पवार की अगुवाई वाला एनसीपी खेमा भी सूखे की स्थिति पर सरकार को घेर रहा है।

एफआईआर में जाति-धर्म का उल्लेख करना गलत : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पुलिस कार्रवाई में व्यक्ति के धर्म या जाति के जिक्र को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया और इसे गलत करार देते हुए हरियाणा के डीजीपी को इस प्रथा को रोकने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई पर उन्हें इसके लिए उठाए गए कदमों का ब्योरा हाईकोर्ट में देना होगा। इससे पहले हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस को एफआईआर में आरोपियों का धर्म या जाति लिखने से रोका था। अंबाला निवासी महिला ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए अग्रिम जमानत की मांग की थी।

अदालत ने दिया प्रथा रोकने का आदेश

केस को मध्यस्थता के लिए भेजते हुए हाईकोर्ट ने महिला को अग्रिम जमानत दे दी लेकिन इस मामले में पुलिस की कार्रवाई के दौरान उसके धर्म का जिक्र करने पर संज्ञान ले लिया। कोर्ट ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई में आरोपी या अन्य पक्षों की जाति या धर्म का जिक्र अनावश्यक है। इसी तरह का मामला पंजाब में भी उठा था। तब हाईकोर्ट के संज्ञान पर पंजाब के एआईजी (लिटिगेशन) ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने हलफनामा दायर किया था और बताया था कि पंजाब के डीजीपी ने सर्कुलर जारी कर पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि आपराधिक मामलों की कागजी कार्रवाई में व्यक्ति के धर्म या जाति का उल्लेख न किया जाए। साथ ही डीजीपी ने भी सुधारात्मक कदम उठाने के संबंध में हाईकोर्ट के समक्ष एफिडेविट दाखिल किया था। इनके आधार पर हाईकोर्ट ने हरियाणा के डीजीपी को एफिडेविट दाखिल कर कर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में किसी भी पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी का धर्म या जाति न लिखी जाए।

फोटो :4 पीएम

शिलान्यास नगर निगम द्वारा सौ दिन सौ कदम कार्यक्रम का शिलान्यास करने पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक। इस मौके पर मेयर ने हरी झंडी दिखाकर निगम की गाड़ियों को किया रवाना।

पूर्वी उप्र में बदला रहेगा मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । अचानक से सक्रिय हुए सिस्टम ने गर्मी और उमस झेल रहे लोगों को ठंडी वाली राहत दी है। हालांकि ज्यादा राहत पूर्वी उत्तर प्रदेश को मिली है। मौसम विभाग के मुतिबक अभी तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक या दो स्थानों पर गरच चमक के साथ हल्की से मध्यम बरसात रिकार्ड की गई है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ बिजली चमकी और हल्की से मध्यम बरसात हुई। जबिक एक या दो स्थानों पर भारी बरसात भी हुई है। मौसम के लिहाज से अगले तीन दिन चेतावनी भरे होंगे। बीते 24 घंटों से जारी बरसात का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटें कई इलाकों के लिए अहम बताए हैं। अमेठी, अयोध्या, बंदायू, बहराइच, बरेली, बाराबंकी, एटा, फर्रुखाबाद, गोंडा, हरदोई, कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, कासगंज, खीरी, लखनऊ, मैनपुरी, रायबरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर व आसपास के इलाकों में भारी बरसात के आसार हैं। मौसम विभाग ने सावधान रहने को कहा है।

'देश में नहीं बची अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता'

गहलोत बोले- फासीवादी ताकतें कर रहीं हमला, सतर्क रहने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत रखने में पत्रकारों की भूमिका अहम है। फेक न्यूज और मिसइन्फॉर्मेशन के इस दौर में पत्रकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आज देश-विदेश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर फासीवादी ताकतों द्वारा हमला किया जा रहा है। प्रदेश सरकार हमेशा से ही फ्रीडम ऑफ स्पीच की पक्षधर रही है। सीएम ने कहा ऐसे दौर में पत्रकारों को सामाजिक सरोकार को आगे रखकर जनचेतना का काम बेहतर तरीके से करना चाहिए।

गहलोत के मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में अखबारों ने स्थानीय स्तर पर अलख जगाने में बड़ी भूमिका निभाई।

राजस्थान में विजय सिंह पथिक, झाबरमल शर्मा, जयनारायण व्यास, दुर्गाप्रसाद चौधरी, अचलेश्वर प्रसाद शर्मा, कर्पूर चंद कुलिश, विजय भंडारी तथा हरिदेव जोशी ने पत्रकारिता का गौरव बढाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पत्राकारों और पत्रकारिता से जु? लोगों के लिए महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं।

राजस्थान को नंबर एक बनाने का लक्ष्य

गहलोत ने कहा कि 11.04 प्रतिशत की जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान आज देश में दूसरे स्थान पर है। राज्य की जीडीपी पिछले चार साल में करीब छह लाख करोड़ रुपये बढ़ी है, जो राज्य के विकास का प्रतीक है। स्टेट जीडीपी का आकार बढ़कर इस वित्त वर्ष में 15 लाख करोड़ रुपये होने जा रहा है। हमारे सभी फाइनेंशियल इंडिकेटर्स दूसरे राज्यों के मुकाबले अच्छे हैं। अब मिशन 2030 के तहत स्टेट जीडीपी को सात साल में 30 लाख करोड़ के पार ले जाने का लक्ष्य है।

गहलोत की घोषणाएं खोखली : मनोज तिवारी

उदयपुर। राजस्थान में भाजपा की परिवर्तन यात्रा उदयपुर पहुंची। इस दौरान भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी भाग लिया। तिवारी बोले कि गहलोत को मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा लग गया होगा,अब जहां भी राजस्थान में जाते हैं मोदी मोदी ही नारे सुनाई देते है। राजस्थान की गहलोत सरकार कर्ज लेकर फ्री दे रही हैं, जिसे रेवड़ी कहते है, राजस्थान में सीएम और सरकार बेचैन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सुबह उठते ही दो काम करते है एक तो कोई नई घोषणा और दूसरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत बेचैन है, प्रतिदिन रात को जब बैठक होती है तो उनको यही समाचार मिल रहा है कि सरकार जा रही है, इसलिए वे रोजाना नई घोषणाएं करते है।

सबालेंका फाइनल में, अमेरिकी ओपन में कोको से भिड़ेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। कोको गॉफ और आर्यना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद पहली बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। फ्लोरिडा की रहने वाली 19 वर्षीय गॉफ ने पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के कारण पड़े व्यवधान और चेक गणराज्य की 27 वर्षीय करोलिना मुचोवा की चुनौती से पार पाकर 6-4, 7-5 से जीत दर्ज करके पहली बार फ्लशिंग मीडोज में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका ने पहला सेट आसानी से गंवाने के बाद शानदार वापसी की और अमेरिका की मेडिसन कीज को0-6, 7-6 (1), 7-6 (10-5)से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बेलारूस की 25 वर्षीय खिलाड़ी और ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका का ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 1-5 था और एक समय ऐसा लग रहा था कि वह फ्लशिंग मीडोज पर फिर से सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाएगी। कीज ने पहला सेट 30 मिनट में जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 5-3 से बढ़त हासिल कर रखी थी लेकिन इसके बाद सबालेंका ने जबर्दस्त वापसी की। सबालेंका ने मैच के बाद कहा,'' आपको प्रयास जारी रखने होते हैं और मैंने भी ऐसे ही किया। आपको यह सोचना चाहिए कि हो सकता है कि आप मैच का पासा पलट दो। मेरा सौभाग्य कहो या चमत्कार मैं नहीं जानती लेकिन मैं इस मैच में पासा पलटने में सफल रही। सबालेंका अगर हार भी जाती तो तब भी उनका सोमवार को जारी होने वाली डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचना तय था।

फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज के खिलाड़ी बने बोपन्ना

45 साल की उम्र में टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना ने यूएस ओपन 2023 के फाइनल में जगह बनाई है। दरअसल, भारतीय टेनिस स्टार ने हाल ही में एस्टोरियल में अलेक्जेंडर बुब्लिक से मैच हार गए थे। इस दौरान रोहन सीजन की शुरुआत में खेले गए सभी मैच हार गए थे। उन्होंने इस दौरान एक एक सेट जीता था। इस दौरान अप्रैल 2021 में उन्होंने सोचा कि वह अभी भी टेनिस क्यों खेल रहे हैं। वहीं बोपन्ना ने इस बारे में खुलासा भी किया। दरअसल, बोपन्ना ने खुलासा करते हुए कहा कि, मेरे दोनों घुटनों में कोई

कार्टिलेज नहीं है और 2019 में मैं एक दिन में दो-तीन पेनकिलर्स लेता था। 2020 में मैंने योग शुरू किया, और इससे वास्तव में बहुत अंतर आया। मैं दिन में दो, तीन दर्द वाली गोली लेने के बजाय आज कुछ नहीं ले रहा।

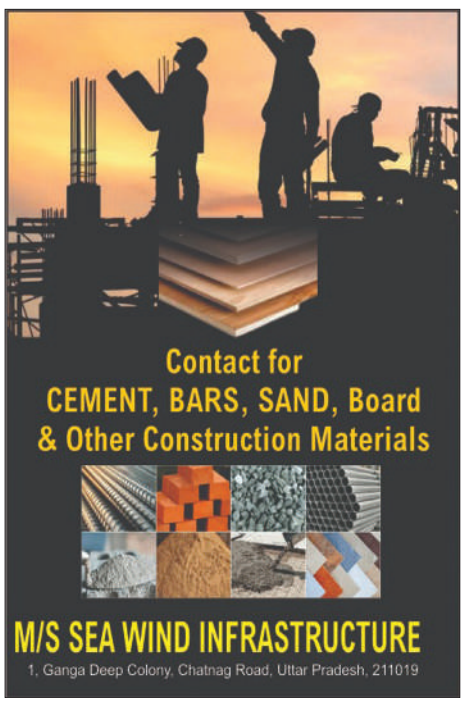

जी-20 की बैठक में दिखी भारत की ताकत

» बीजेपी संगठन ने मोदी सरकार की तारीफ की, कांग्रेस ने लगाया भेदभाव का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में जी-20 का अयोजन हो रहा है। इसमें दुनिया के लगभग 27 देशों के राष्ट्राध्यक्ष व शासनाध्यक्ष भाग ले रहें हैं। ये सारे दिग्गज दुनिया की आर्थिक व सामजिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। पर भारत में सियासत जारी है। कांग्रेस व समेत अन्य विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाकर निशाना साधा है। वहीं भाजपा संगठन ने मोदी सरकार की इस आयोजन के लिए जमकर तारीफ की है। वहीं इंडिया बनाम भारत विवाद के बीच इसको और तेजी देने का काम भी इस आयोजन में किया गया है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टेबल पर इंडिया की जगह भारत लिखा हुआ है। जी20 शिखर सम्मेलन की आज से शुरुआत हो गई। दो दिन तक चलने वाले इस मेगा इवेंट के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, रूस, तुर्किए समेत 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री भारत मंडपम पहुंच गए हैं।

नव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़े विश्व : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन युद्ध ने दुनिया में विश्वास की कमी को गहरा कर दिया है और भारत पूरी दुनिया से इसे एक-दूसरे पर भरोसे में तब्दील करने की अपील करता है। मोदी ने यहां 'भारत मंडपम' में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि 21वीं सदी दुनिया को नयी दिशा देने का समय है। उन्होंने कहा, ''अब समय आ गया है, जब पुरानी चुनौतियां हमसे नये समाधान चाहती हैं और इसीलिए हमें अपनी जिम्मेदारियों को पूरी करने के वास्ते मानव-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना होगा।''

जी-20 में शामिल हुआ अफ्रीकन यूनियन

नई दिल्ली में हो रहे जी20 सम्मेलन में शनिवार को अफ्रीकन यूनियन को जी20 में शामिल कर लिया गया। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इसका प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्य देशों ने स्वीकार कर लिया। शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी के समर्थन से, मैं अफ्रीकी संघ को जी20 में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। इसके बाद विश्व नेताओं की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोमोरोस संघ के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष अजाली औसमानी को जी20 के सदस्य देशों के साथ आसन पर बिठाया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी गले लगकर अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष को जी20 में शामिल होने पर बधाई दी। सम्मेलन के शुरू होने से पहले ही अफ्रीकन यूनियन के दिल्ली सम्मेलन में जी20 में शामिल किए जाने की चर्चा थी।

अव्यवस्था से परेशान रहे मीडियाकर्मी

जी-20 के प्रोग्राम में भारी व्यवस्था देखी गई, तमाम वरिष्ठ पत्रकार और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के भारी भरकम कैमरे ट्राइपॉड और लाइटों को पैदल दौड़ते देखा गया, बैटरी रिक्शा और दूसरी तमाम व्यवस्थाएं साइड पर धराशाई दिखाई दे रही थीं। विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर जतिन पटेल से पत्रकारों और कुछ अन्य लोगों के बात करने के बावजूद कोई व्यवस्था नहीं हुई उन्होंने सिरे से किसी भी सुविधा देने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा यह सब सेवाएं कल से मिलेगी। सवाल है तो आज पत्रकारों को बुलाया क्यों? जबकि आज सुबह 11:00 से ही पत्रकारों और तमाम मेडियन का टाटा जी-20 की होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए लगा हुआ था।

अमेरिकी पत्रकारों को सवाल पूछने से रोका गया : जयराम

महासचिव जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय बातचीत के बाद अमेरिकी पत्रकारों को सवाल नहीं पूछने दिया गया। रमेश का आरोप है कि अमेरिकी पत्रकारों को मोदी से सवाल करने से रोक दिया गया। रमेश ने कहा कि बाइडन की टीम ने बताया कि पीएम मोदी से हमारी मीडिया को पीएम मोदी से सवाल करने की अनुमति नहीं दी गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की टीम ने बताया कि भारत ने उनके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक के बाद मीडिया को भारत के पीएम से सवाल पूछने की अनुमति नहीं दी गई। राष्ट्रपति बिडेन अब 11 सितंबर को वियतनाम में उनके साथ आने वाले मीडिया से सवालों का जवाब देंगे। यह देखकर बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

आजाद अधिकार सेना ने की भाजपा से उसका नाम बदलने की मांग

» हमारा देश हजारों वर्षों के साझा संस्कृति के परिणामस्वरूप बना : अमिताभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत बनाम इंडिया के विवाद के मध्य आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी से अपना नाम बदलने की मांग की है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि भाजपा भारत बनाम इंडिया के रूप में एक बार फिर से पूर्णतया औचित्यहीन विवाद खड़ा कर रही है क्योंकि हमारा देश हजारों वर्षों के साझा संस्कृति के परिणामस्वरूप बना है, जिसमे अन्य तत्वों के अलावा अंग्रेजों और अंग्रेजी की भी एक निश्चित भूमिका है। यही कारण है कि आज अंग्रेजी भाषा के तमाम शब्द, जैसे वोट, साइकिल, टेलीफोन, कंप्यूटर, राकेट, बैंक, पुलिस, डॉक्टर आदि गाँव-गाँव में प्रयुक्त हो रहे हैं।

पार्टी व वोट शब्द का प्रयोग न करे भाजपा

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में अपनी सांस्कृतिक विरासत, भारतीयता और स्वदेशी को लेकर इतनी समर्पित है तो वह सबसे पहले अपनी पार्टी का नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से बदलकर भारतीय जनता दल (भाजद) रखें क्योंकि पार्टी एक अंग्रेजी शब्द है, इसी तरह भाजपा अब किसी से वोट नहीं मांगे बल्कि केवल मत देने का अनुरोध करें, उन्होंने कहा कि यदि भाजपा ऐसा नहीं करती है तो अनावश्यक रूप से सांस्कृतिक विभाजन का प्रयास बंद करे।

भ्रष्टाचार मामले में चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तार

» सुबह सीआईडी ने लिया हिरासत में, आंध्र में मचा सियासी उबाल, विरोध में सड़क पर उतरी टीडीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद से सियासी घमासान मच गया है। पार्टी कार्यकर्ता टीडीपी नेता सड़कों पर जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। कहीं, सड़कों पर टायर जलाए गए तो कहीं, कार्यकर्ता सड़कों पर बैठकर धरना प्रदर्शन दे रहे है। बता दें ,चंद्रबाबू नायडू को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार सुबह गिरफ्तार किया।

यह गिरफ्तारी कथित भ्रष्टाचार के मामले में की गई है। आज सुबह पुलिस अधिकारियों की टीम जब टीडीपी नेता को हिरासत में लेने के लिए पहुंची तो नंद्याल में जबरदस्त हंगामा हुआ। नायडू के वकील के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले सीआईडी ने नायडू को मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। बता दें कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और शुगर है। वकील ने कहा, हम जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे हैं। पार्टी नेताओं ने दावा किया है कि, पुलिस चंद्रबाबू को ओरवाकल एयरपोर्ट से फ्लाइट के जरिए विजयवाड़ा ले जाएगी। हालांकि, चंद्रबाबू ने अपनी इस गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनका मानना है कि यह गिरफ्तारी बिना किसी आरोपों के सबूत दिखाए बिना की गई है। चंद्रबाबू ने कहा कि सबूत पेश किए जाने पर ही वह कानून का सहयोग करेंगे। एन चंद्रबाबू नायडू की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तिरुपति के अन्नपूर्णा सरुकुलु केंद्र में विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने भी सीआईडी द्वारा अपने पिता की गिरफ्तारी के बाद विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की है।

भाजपा ने की गिरफ्तारी की निंदा

आंध्र प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पुरंदेश्वरी ने चंद्रबाबू नायडू का समर्थन करते हुए उनकी गिरफ्तारी की निंदा की है, पुरंदेश्वरी ने ट्वीट करते हुए कहा,चंद्रबाबू नायडू को आज गिरफ्तार कर लिया गया, बिना उचित नोटिस दिए, बिना एफआईआर में नाम बताए, बिना स्पष्टीकरण लिए, बिना प्रक्रिया का पालन किए चंद्रबाबू नायडू को गिरफ्तार करना सही नहीं है, बीजेपी इसकी निंदा करती है।

मोरक्को में कांपी धरती, 600 से ज्यादा की मौत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मरक्केश। मोरक्को में शुक्रवार देर रात जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पैमाने पर 6.8 मापी गई है। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने बताया कि भूकंप की वजह से अब तक कम से कम 633 लोगों की मौत हुई है, वहीं 150 से ज्यादा घायल हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूकंप से मरने वालों का आंकड़ा अभी काफी बढ़ सकता है। भूकंप की जानकारी रखने वाली मोरक्को की संस्था ने भूकंप की तीव्रता को सात के पार बताया है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र पर्यटन के लिए मशहूर मरक्केश शहर से 71 किमी दूर दक्षिण-पश्चिम में 18.5 किमी की गहराई में रहा। यहां झटके स्थानीय समयानुसार देर रात करीब 11.11 बजे महसूस किए गए। कुछ देर बाद ही इन जगहों पर भूकंप के ऑफ्टरशॉक भी महसूस किए गए जिनकी तीव्रता 4.9 मापी गई है।

6.8
तीव्रता का जबरदस्त भूकंप, सैकड़ों घायल

मोरक्को के गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान शहर के बाहर पुरानी बस्तियों को हुआ है। मोरक्को कई नागरिकों ने इससे जुड़े वीडियो और तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर डाली हैं, जिनमें इमारतों को ध्वस्त होने के बाद धूल के गुबार में बदलते देखा जा सकता है। खासकर मरक्केश में जिसे यूनेस्को की तरफ से विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला है। यहां कई पर्यटकों ने भूकंप के बाद जान बचाने के लिए भागते और चिल्लाते लोगों के वीडियो भी पोस्ट किए हैं। एक स्थानीय टेलीविजन ने गिरी हुई मस्जिद और कुचली हुई कारों पर फैले मलबे की तस्वीरें प्रसारित कीं। एक स्थानीय अधिकारी के मुताबिक, ज्यादातर मौतें पहाड़ी इलाकों में हुईं, जहां तक पहुंचना मुश्किल था। स्थानीय सूत्रों के हवाले से पैन-अरब अल-अरबिया समाचार चैनल के अनुसार, एक ही परिवार के पांच लोग मारे गए।

पीएम मोदी ने जताया दुख

भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भूकंप में लोगों की दुखद हानि पर दुख व्यक्त किया और कहा कि भारत उत्तरी अफ्रीकी देश को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने एक्स, पूर्व में ट्विटर पर पोस्ट किया मोरक्को में भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान से बेहद दुखी हूं। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं मोरक्को के लोगों के साथ हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। भारत तैयार है। इस कठिन समय में मोरक्को को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।